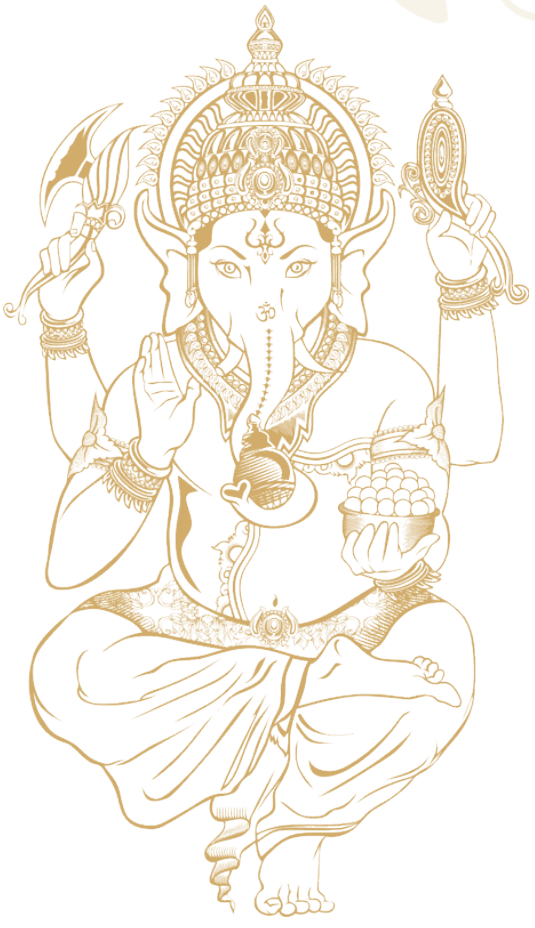

Raghav

Dharna

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121369701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121369701 Date: 23/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/08/2003	जन्म तिथि	08/03/2002
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:00:00	जन्म समय	18:00:00 घंटे
घटी 08:08:53	जन्म समय(घटी)	28:21:27 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Karnal
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:44:26	सूर्योदय	06:40:47
19:09:23	सूर्यास्त	18:25:31
23:54:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:59

सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
तुला	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
स्वाति	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	3
शुभ	योग	व्यतिपात
विष्टि	करण	विष्टि
रो-रोहित	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	वानर
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 5वर्ष 0मा 20दि		29:55:29	सिंह	लग्न	सिंह	19:07:55	शुक्र 6वर्ष 0मा 14दि	
शनि		18:25:35	कर्क	सूर्य	कुंभ	23:52:16	मंगल	
24/08/2024		16:15:19	तुला	चंद्र	धनु	22:38:27	22/03/2024	
25/08/2043		15:55:19	कुंभ व	मंगल	मेष	10:59:21	23/03/2031	
शनि	28/08/2027	13:57:22	सिंह	बुध	कुंभ	00:59:07	मंगल	18/08/2024
बुध	07/05/2030	01:15:34	सिंह	गुरु	मिथु	11:49:06	राहु	06/09/2025
केतु	16/06/2031	14:40:29	कर्क	शुक्र	मीन	06:40:39	गुरु	12/08/2026
शुक्र	16/08/2034	13:56:29	मिथु	शनि	वृष	14:53:59	शनि	21/09/2027
सूर्य	29/07/2035	02:20:57	वृष व	राहु व	वृष	29:26:49	बुध	17/09/2028
चन्द्र	26/02/2037	02:20:57	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि	29:26:49	केतु	14/02/2029
मंगल	07/04/2038	07:41:08	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	02:13:57	शुक्र	16/04/2030
राहु	11/02/2041	17:52:06	मक व	नेप	मक	15:58:24	सूर्य	22/08/2030
गुरु	25/08/2043	23:28:53	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:42:16	चन्द्र	23/03/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:54:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:59

लग्न-चलित

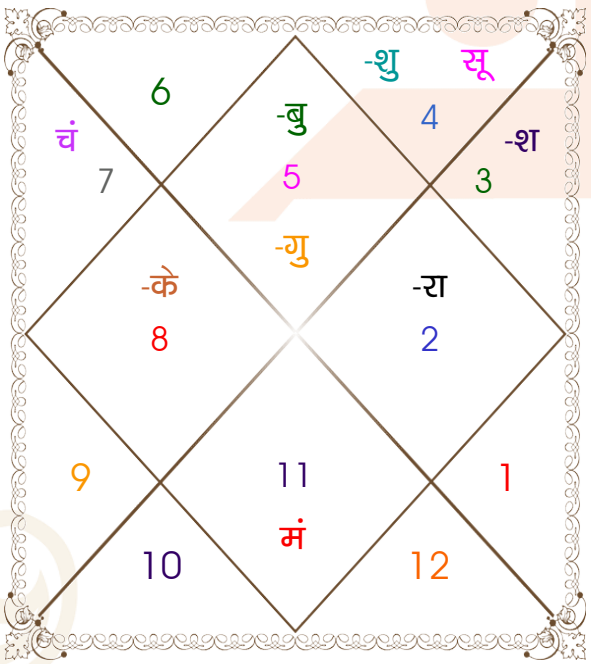

लग्न-चलित

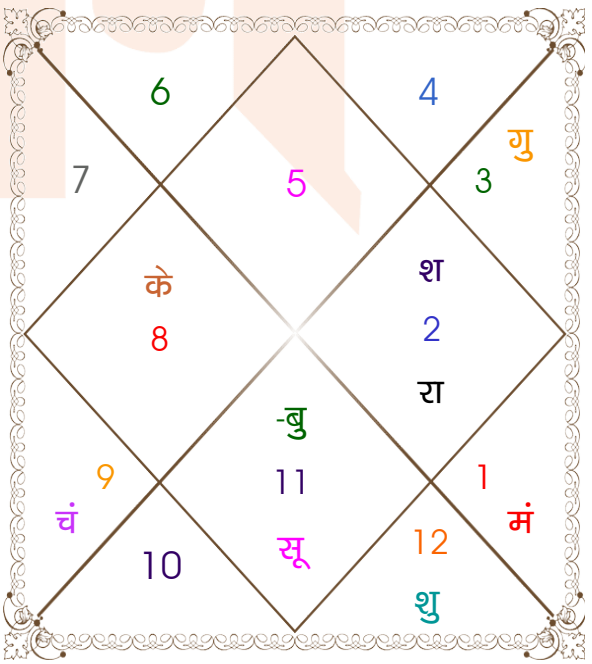

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

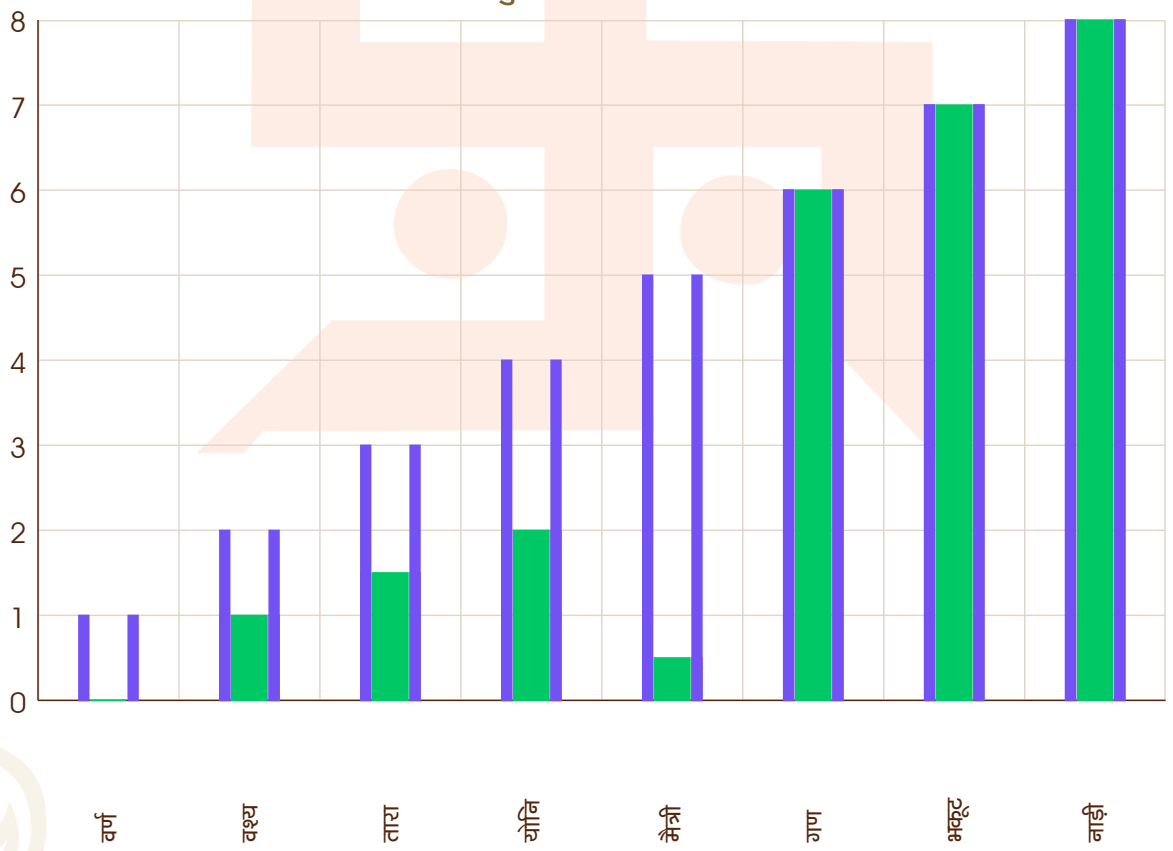

अष्टकूट मिलान

त्हींअ का वर्ग मृग है तथा Dharna का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्हींअ और Dharna का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्हींअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि त्हींअ कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Dharna मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्हींअ तथा Dharna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

त्हींअ का वर्ण शूद्र है तथा Dharna का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Dharna का वर्ण त्हींअ के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Dharna अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Dharna का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए त्हींअ को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

त्हींअ का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Dharna का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप त्हींअ एवं Dharna दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Dharna अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में त्हींअ अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

त्हींअ की तारा प्रत्यरि तथा Dharna की तारा साधक है। त्हींअ की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत त्हींअ कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Dharna को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

त्हींअ की योनि महिष है तथा Dharna की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में त्ंहींअ का राशि स्वामी Dharna के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Dharna का राशि स्वामी त्ंहींअ के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

त्ंहींअ का गण देव तथा Dharna का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Dharna अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

त्ंहींअ से Dharna की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Dharna से त्ंहींअ की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण त्ंहींअ अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Dharna सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि

जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

त्हींअ की नाड़ी अन्त्य है तथा Dharna की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

त्हींअ की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Dharna की राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अग्नि और वायु तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण त्हींअ और Dharna में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

त्हींअ की राशि का स्वामी शुक्र तथा Dharna की राशि का स्वामी गुरू परस्पर शत्रु तथा समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से त्हींअ और Dharna के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे यद्यपि Dharna का इसमें सहयोग नगण्य रहेगा परन्तु त्हींअ के द्वारा समस्याएं होती रहेंगी। अतः त्हींअ और Dharna को बुद्धिमता पूर्वक परस्पर संबंध रखने चाहिए।

त्हींअ और Dharna की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों न्यूनता आएगी तथा परस्पर सौहार्द पूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए त्हींअ और Dharna तत्पर रहेंगे । वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे जीवन में सुख शांति एवं सन्तुष्टि में वृद्धि होगी तथा आपस में सहयोग तथा सहानुभूति का भाव भी विद्यमान रहेगा।

त्हींअ का वश्य मानव तथा Dharna का वश्य चतुष्पद है। अतः मानव एवं चतुष्पद में स्वाभाविक विषमता होने के कारण त्हींअ और Dharna की शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

त्हींअ का वर्ण शूद्र तथा Dharna का वर्ण क्षत्रिय है। अतः त्हींअ किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे परन्तु Dharna पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

त्हींअ और Dharna की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। त्हींअ और Dharna की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Dharna एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक

सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

त्ंहींअ की नाड़ी अन्त्य तथा Dharna की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का Dharna के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए Dharna को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से त्ंहींअ और Dharna का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त त्ंहींअ और Dharna के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Dharna के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Dharna को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Dharna को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से त्ंहींअ और Dharna सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार त्ंहींअ और Dharna का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Dharna के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Dharna यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Dharna को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण

स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Dharna को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

त्हींअ के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को त्हींअ अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी त्हींअ के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण त्हींअ के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।